

SP54T-4397/15-7-161393/99

३५४

॥ श्री राधा कृष्ण लिंग सिरपक्ष
विष्णु-भासुर-पिलारी
उल्लार-मुकुर-पालन ।

卷之九

१०८
१०९ शास्त्रिय फ्रेंट परिवे
११० ब-२ निरुप ल-
श्रीमि फ्रेंट, निरुप

सिद्धा अनुवाद १७४

मुद्रित : दिनांक : २९ अप्रैल १९९५

प्रिया:- एवं एक ही रुद्धि भूति ताप्ति विषय स्थिर, पारामार्श वर्ते गोपनीयता
नहीं दिल्ली ते ब्रजामार्द द्वय अमाग-पव दिवे पाति के रुपि थे।

मातृस्य

उपर्युक्ता पिघा पर सुने यह क्षमे जा निदेश द्वारा ऐसे एवं उत्तरापन करते हों भावन बोधा, प्राचीनकालीन लिंगधौतीयां नई दिल्ली में बैठका ऐसा अनामिता प्रशासन-पर, दिल्ली पाने से जा राष्ट्रपति करकार को विस्तृतिविह प्रभित्युक्ता के अधीन आदर्शता नहीं है:-

- 111 विधाय और लौप्तीकृत तीर्तियों का अनु-सम्बन्ध पर अवीक्षी भाव रखा। अद्यता
 121 विधाय, जो प्रभुता भासती है विधा विधाय वारा वाक्य एक त्रैयोगी भौति।
 131 विधाय में अम ने कम ही प्रतिकार द्याया अनुत्तरायत वारा/अनुत्तरायत विधाय
 141 के अन्यों के त्रैयोगी त्रैयोगी वैर उनसे उत्तर वृद्धा गायत्रीय विधा-
 विधाय वारा त्रैयोगी विधाय में विभिन्न स्थानों के विशिष्टता-
 विधाय से अधिक विधाय मधीं विधा लाभेण।
 विधाय वारा राज्य त्रैयोगी विधा जीव अनुदान और भूमि नवीं की आवश्यकता और
 विधा विधाय विधाय विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 151 विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 161 विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा
 विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा विधा

~~W.M.T.~~
15 Principal
L.H.K. STUDENTS' SCHOOL
Sai, P.O. Udgir, Varanasi
Varanasi-221001 (U.P.)

Principal

Vibha Singh - 121

Vibha Singh

प्रधन्यक
लोकहित किरन अध्ययन केन्द्र
सांई, उदयपुर (चोलापुर)
गाराणसी-221101

L.H.K. Study Centre School
Sai, P.O. Udaipur (Cholepur)
Varanasi-221 001 (U.P.)

- 121
- 171 एवं तरकार दारा सभ्य-सभ्य पर यो भी आदेश निर्गत किये जानीमें विषय उत्तम प्राप्त होगी।
- 181 विवरण का ट्रैडिंग निपारित पुस्तक/प्रिलियर्स भी रखा जायेगा।
- 191 उत्तम ग्राहां में राज्य तरकार के पूर्वानुयोगन के कान छोड़ निपारित/संगीचन या परिपक्वि प्रबंध भी जायेगा।
- 20- प्रतिक्रिया यह भी होगा कि किया दारा पहले निपारित किया जाये वा-
- 21 अंतिम भा भवन/स्थान का निपारित मानक ऐ अनुतार हो।
- 121 अवैदन पत्र के निपारित किये जाने के बाद परम दृष्टि द्वारा
- ग्राहक की विधति स्पष्ट हो जाये।
- 131 विवरण के विषय/विवर छोड़ा रखियाँ जो शासकीय विवादों प्राप्त विवादान्वयों के विवरातियों की भाँति वेतन किया जायेगा।
- 141 दृष्टि पत्र के विषय निर्गत भूमि/मूल्य की व्यवहार भी जायेगी।
- 151 अनुशुलिष्ठ पात्रि/संवादी के घावहें वा रिपति स्पष्ट हो जायेगी।

भद्रीय

। तात्पूर त्रिष्टु निर्देश
विषयकावर्त्तिकारी।

पुस्तक-4327111/15-7-99 तदनिर्देश

- प्रतिविविध विवादियों को सुनार्थ इक्की ब्राह्मण छापवारी ऐ प्रक्रिया।
- 1- विद्या निर्देश, उत्तर प्रदेश मुक्ति।
- 2- भारतीय संस्कृत विद्या निर्देश वाराणसी।
- 3- उत्तर विद्यालय निर्देशक दारानामी।
- 4- विवादान्वय, विषय आदानीय विवादान्वय 3050, अखनऊ।
- 5- दुर्लभ, संगोरपोर्ड इस्टी लेन्टर, बाई शावन दीभां पारामी।
- ब्राह्मण है

। तात्पूर त्रिष्टु निर्देश
विषयकावर्त्तिकारी।

A/C

Principal
L.H.K. Study Centre School
Sai, P.O. Udeipur (Cholapuri)
Varanasi-221 001 (U.P.)

Principal

L.H.K. S
Sai, P.O. Udeipur (Cholapuri)
Varanasi-221 001 (U.P.)

Vikha Singh

प्रबन्धक
लोकहित किरन अध्यक्षलापुर
साई, उदयपुर (चोलापुर)
ग्राम-221101